WELL-COME TO DIGVIJAY COLLEGE

Govt. Digvijay Autonomous P. G. College Rajnandgaon (C.G.)

Paper - 3rd

Paper – Working with Groups / Group Work

Topic –समूह कार्य में समस्याओं की पहचान आप कैसे करेंगे?

रूपरेखा

- प्रस्तावना
- समूह कार्य का अर्थ
- समूह कार्य की परिभाषा
- समूह कार्य का उद्देश्य
- समूह कार्य मे उत्पन्न समस्याओ की पहचान
- निष्कर्ष
- सन्दर्भग्रन्थ सूची

प्रस्तावना

जहाँ सामाजिकता ने मनुष्य को अस्तित्व प्रदान किया है वहीं पर दरिद्रता, निर्धनता, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, विचलन, समायोजन संबंधी समस्याओं का विकास हुआ | जिसके फलस्वरूप समाज अनेक प्रकार के सुरक्षात्मक कदम उठाएं। सामाजिक सामूहिक सेवा कार्य द्वारा सामाजिक जीवन धारा में भाग लेने के मार्ग में अवरोध उत्पन्न करने वाले व्यक्ति को संबंध संबंधित समस्याओं को सामूहिक प्रक्रिया के प्रभावकारी प्रयोग द्वारा रोका जाता है इसके अंतर्गत सामूहिक संबंधों का स्रोत और निर्देशित प्रयोग करके समूह के सदस्यों के व्यक्तित्व की सीमा व मानवीय संपर्कों में वृद्धि की जाती है । इसके द्वारा समूह के सदस्यों की शिक्षा,विकास तथा सांस्कृतिक समृद्धि और समूह में व्यक्तिगत संपर्कों के माध्यम से व्यक्ति में विकास और सामाजिक समयोजन की प्राप्ति की संभावनाओं पर बल दिया हैं। सामाजिक सामूहिक सेवा कार्य में सहायता एवं परिवर्तन का माध्यम समूह [redacted] मूहिक अनुभव होते हैं।

समूह कार्य का अर्थ

यह व्यक्ति समूह और समुह के अन्य से संबंध होता है। सामूहिक कार्य समूह के माध्यम से व्यक्ति की सहायता करता है। समूह द्वारा ही व्यक्ति में शारीरिक, बौद्धिक तथा सांस्कृतिक विशेषताओं को उत्पन्न कर समायोजन के योग्य बनाया जाता है।

परिभाषाओ के विश्लेषण के आधार पर सामूहिक सेवा कार्य के अर्थ पर प्रकाश डाला जा सकता है –

1. वैज्ञानिक,ज्ञान,प्रविधि,सिद्धांतो एवं कुशलता पर आधरित प्रणाली ।
2. समूह में व्यक्ति पर बल।
3. किसी कल्याणकारी संस्था के तत्वधान में किया जाता है।
4. व्यक्ति की सहायता समूह के माध्यम से की जाती है।
5. सामूहिक सेवाकार्य के अंतर्गत का समूह में ऐसा व्यक्ति एवं समुदाय के अनुरूप समूह केंद्र बिंदु होता है।

समूह कार्य की परिभाषा

1. **हैमिल्टन** - "सामाजिक सामूहिक कार्य एक मनोसामाजिक प्रक्रिया है जो नेतृत्व की योग्यता और सहकारिता के विकास से उतनी ही सम्मानित है जितनी सामाजिक उद्देश्य के लिए सामूहिक लोगों के निर्माण से है ।"

2. **कोनोप्का** – "सामाजिक सामूहिक कार्य समाज कार्य की एक प्रणाली है जो व्यक्तियों की सामाजिक कार्यात्मकता बढ़ाने में सहायता प्रदान करती है, उद्देश्यपूर्ण सामूहिक और सामुदायिक समस्याओं की ओर प्रभावकारी ढंग से सुलझाने में सहायता प्रदान करती हैं।"

समूह कार्य का उद्देश्य

1. जीवनपयोगी आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
2. सदस्यों को महत्व प्रदान करना।
3. सामंजस्य स्थापित करने की शक्ति का विकास करना।
4. समाज के विकास हेतु व्यक्तियो को प्रेरित करना
5. लक्ष्यों को प्राप्त करना।

समस्याओ की पहचान

1) सदस्यों में उद्देश्यो के प्रति चेतन की समस्या।
2) अभिरुचियों की अभिव्यक्ति की समस्या।
3) सदस्यों में शीघ्र समायोजन की समस्या।
4) कार्यक्रमों के प्रति उपर्युक्त जानकारी की समस्या।
5) कार्यक्रम में उपर्युक्त संचालन की समस्या।
6) संघर्ष की समस्या।
7) भागीदारी का अभाव।
8) सदस्यों की नकारात्मक सोच या विचार की समस्या।

निष्कर्ष

अतः निष्कर्ष के रूप मे यहाँ देखते है कि सामूहिक कार्य वह प्रक्रिया है जिसमें सभी के हितों को ध्यान में रखकर समाज समूह व व्यक्ति की विकास के लिए किया जाता है। यह ऐसा सेवा कार्य है जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जुड़ सकते हैं उनकी बातों को सुन सकते हैं समझ सकते हैं उनके बीच कार्य करके उनके रहनसहन तौर-तरीकों को जान सकते हैं । अतः समूहकार्य में सबकी सहभगिता समूह में बराबर होनी चाहिए ।समूह में जो समस्या होगी उसका सब के सहयोग से निवेदन किया जाना चाहिए तभी सभी समूह आगे बढ़ जाएगा और देश की उन्नति होगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

लेखक	पुस्तक
❑ प्रयागदिन मिश्रा	समाजिक सांस्कृतिक कार्य
❑ए. एस. सिंह	समाजकार्य शिक्षा
❑एच. बी. ट्रेकर	सोशल ग्रुप वर्क

Thankyou